प्रत्येक सोमवार को हल्द्वानी से प्रकाशित

भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक कार्यालय से प्रदत्त पंजीयन संख्या : UTTHIN/2017/73662

कुमाऊं जनसन्देश

www.kumaonjansandesh.com

वर्ष – 9 अंक – 1 हल्द्वानी(नैनीताल) सोमवार 1 दिसम्बर 2025 पृष्ठ – 4 मूल्य – 2.00 रुपया

मन की बात में उत्तराखंड के पर्यटन का जिक्र

पीएम मोदी ने की देशवासियों से सर्दियों के सीजन में हिमालय की वादियों का अनुभव लेने की अपील

कुमाऊं जनसन्देश ब्यूरो

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में उत्तराखंड के शीतकालीन पर्यटन, साहसिक खेल व वेडिंग डेस्टिनेशन की ब्रांडिंग की। उन्होंने देशवासियों से सर्दियों के सीजन में हिमालय की वादियों का अनुभव लेने की अपील की है। मन की बात सुनने के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी उत्तराखंड टूरिज्म के सबसे बड़े ब्रांड एंबेसडर हैं।

रविवार को मन की बात कार्यक्रम में पीएम मोदी ने ढाई मिनट के संबोधन में उत्तराखंड के पर्यटन का जिक्र किया। कहा कि हमारे देश में विंटर टूरिज्म की हर क्षमता मौजूद है। हमारे पास पहाड़ भी हैं, संस्कृति भी है और एडवेंचर की असीम संभावनाएं हैं। इन दिनों उत्तराखंड का शीतकालीन पर्यटन लोगों को बहुत आकर्षित कर रहा है। सर्दियों के मौसम में औली, मुनस्यारी, चोपता व दयारा जैसे पर्यटन स्थल पर्यटकों को खूब भा रहे हैं। कुछ सप्ताह पहले पिथौरागढ़ जिले में साढ़े चौदह हजार फुट से अधिक की ऊंचाई पर आदि कैलाश में राज्य की पहली उच्च हिमालयी अल्ट्रा मैराथन का आयोजन किया गया था। इसमें देशभर के १८ राज्यों से ७५० से ज्यादा एथलीट ने हिस्सा लिया था। ६० किलोमीटर लंबी आदि कैलाश परिक्रमा रन का प्रारंभ कड़कड़ाती सर्दी में सुबह पांच बजे

हुआ था। इतनी ठंड के बावजूद भी लोगों का उत्साह देखते ही बनता था। आदि कैलाश की यात्रा पर जहां तीन साल पहले तक मात्र दो हजार से कम पर्यटक आते थे, अब यह संख्या भी बढ़कर तीस हजार से अधिक हो गई है।

वहीं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड के सतत विकास और संभावनाओं को विश्व पटल पर रेखांकित करने के लिए सभी प्रदेशवासी प्रधानमंत्री मोदी के आभारी हैं। प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री के संकल्प के अनुसार उत्तराखंड को प्राकृतिक, आध्यात्मिक और साहसिक पर्यटन के मानचित्र पर उभारने के लिए संकल्पित होकर काम कर रही है।

सहकारी मेले से महिला समूहों को मिला बाजार

सहकारिता से पर्यटन विकास रखी गई थी थीम, महिला समूहों ने लगाए स्टाल, विभागों ने दी योजनाओं की जानकारी

कुमाऊं जनसन्देश ब्यूरो

हल्द्वानी। सहकारिता विभाग की और से जिला सहकारी बैंक नैनीताल के सहयोग से एमबी इंटर कालेज मैदान में 25 नवम्बर से एक दिसम्बर तक सात दिवसीय भव्य सहकारिता मेले का आयोजन किया गया। मेले के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शादार प्रस्तुति दी गई। विभिन्न विभागों की ओर से स्टाल लगाकर योजनाओं का प्रचार प्रसार किया गया। वहीं महिला समूहों ने भी स्टाल लगाकर अपने उत्पादों को लोगों तक पहुंचाया।

सहकारिता विभाग के सहायक निबंधक दान सिंह नपल्चयाल ने बताया कि इस बार मेले की थीम सहकारिता से पर्यटन विकास रखी गई थी। निश्चत रूप से आने वाले दिनों में इस मेले का असर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को देखने को मिलेगा। वहीं पर्यटन विकास को भी पंख लगेंगे। बताया कि मेले का शुभारंभ नैनीताल सांसद अजय भट्ट और सहकारिता मंत्री धन सिंह रावत ने किया। जबकि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी मेले में शिरकत उत्साहवर्धन किया। साथ ही सहकारिता की योजनाओं के लाभार्थियों को आर्थिक सहायता के चेक भी प्रदान किए। वहीं जिला सहकारी बैंक के महाप्रबन्धक/सचिव आरएन रैना ने कहा कि मेला अपने उददेश्य पर सफल साबित हुआ। भविष्य में और बेहतर आयोजन के प्रयास किए जाएंगे। वहीं मेले के शुभारंभ अवसर पर सहकारी बैंक के प्रबंध निदेशक प्रदीप मल्होत्रा ने सभी आगंतुकों का स्वागत करते हुए सहकारिता मेले के आयोजन के संबंध में अपने विचार व्यक्त किए। विभाग के संयुक्त निबंधक नीरज बेलवाल ने सहकारिता मेले के उद्देश्यों आदि के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। इधर, अन्तर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष २०२५ के उपलक्ष्य में एमबी इन्टर कालेज मैदान, हल्द्वानी आयोजित सहकारिता मेले में बीती २८ नवम्बर को मुख्य अतिथि के रूप में नैनीताल जिला सहकारी बैंक लि०, हल्द्वानी के निवर्तमान अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह नेगी, विशिष्ट अतिथि जिला संयोजक सहकारिता रविन्द्र सिंह रैंकुनी के साथ ही गणमान्य अतिथि दीवान सम्भल, कपिल रावत, प्रकाश बेलवाल, पंकज सुयाल एवं किरन नेगी, पूर्व संचालक डीसीबी नैनीताल उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि ने मेले में मत्स्य विभाग द्वारा मत्स्य पालन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कुलदीप सिंह को 3.75 लाख रू०, हल्द्वानी के ललित कुमार को तालाब निर्माण हेतु 1.00 लाख रुपये एवं जमुना दत्त को 50 हजार की अनुदान राशि के चौक वितरित किये गये। मेले में विभिन्न विद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा नैनीताल पर्यटन पर निबन्ध प्रतियोगिता एवं चित्रकला प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम में कृषि, उद्यान, पशुपालन, डेयरी, हस्तशिल्प, जैविक उत्पाद एवं विभिन्न सरकारी विभागों सहित अन्य स्टॉल लगाए गए। मेले में आंचल कला केन्द्र की टीम द्वारा परंपरागत लोक संस्कृति, लोकगीत से सभी का स्वागत किया। संचालन विभु कृष्णा एवं मीनाक्षी ने किया गया।

इससे पूर्व दिवस में कृषि विभाग से डा. गीतान्जलि बंगारी द्वारा फसल बीमा योजना, किसान सम्मान निधि एवं विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी गयी। किसान विज्ञान केन्द्र की डा. कंचन नैनवाल ने आज की परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुये प्राकृतिक खेती के महत्व पर प्रकाश डाला एवं बताया कि रासायनिक उर्वरक एवं कीटनाशकों के प्रयोग से मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में भी बताया। कृषि विभाग द्वारा सहकारी मेले में उद्यान क्षेत्र के प्रगतिशील किसान आनन्दमणि भट्ट कृषि क्षेत्र के प्रगतिशील किसान शोभन सिंह एवं मत्स्य क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले दीपक सती को 25000 रुपये की पुरस्कार धनराशि प्रदान की गयी। कार्यक्रम में किसान विज्ञान केन्द्र डा. दीपाली तिवारी द्वारा भी कृषकों का मार्गदर्शन किया गया। आतमा योजना से कमल किशोर पन्त, एएओ हल्द्वानी डा. ममता जोशी, एएओ रामगढ़ अफरोज एवं कृषि विभाग द्वारा डा. जितेन्द्र भाष्कर के द्वारा राष्ट्रीय खाद्य तेल, तिलहन मिशन, राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन एवं पीएमकेएसवाय, पीएमएफबीवाय एवं एसएमएएम योजनाओं की जानकारी दी गयी। कृषि गोष्ठी के उपरान्त सांस्कृतिक संध्या में लोकगायिका ममता आर्या के द्वारा अपनी प्रस्तुति दी गयी। क्षेत्र के बच्चों के द्वारा नृत्य प्रतियोगिका में भाग लिया गया। आंचल कला केन्द्र के कलाकारों एवं सूचना विभाग के टीम द्वारा सांस्कृतिक सन्ध्या में अपने कार्यक्रम के द्वारा दर्शकों का मनमोह लिया। मेले में सहकारिता विभाग के जिला सहायक निबन्धक दान सिंह नपलच्याल, जिला सहकारी बैंक के महाप्रबन्धक आरएस रैना, सहकारी बैंक के दीपक भट्ट एवं अन्य अधिकारियों ने मेले में उपस्थित लोगों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

शीतलहर से बचाव हेतु अलाव जलाने के निर्देश

नैनीताल प्रवास के दौरान सीएम धामी ने सुनी जनसमस्याएं

कुमाऊं जनसन्देश ब्यूरो

नैनीताल। नैनीताल भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने बढ़ रहे ठंड को देखते हुए प्रदेशभर में रेन बसेरों में आवश्यक सुविधाओं को सुदृढ़ करने के साथ ही ठंड एवं शीतलहर से बचाव हेतु अलाव जलाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों को यह सुनिश्चित करने को कहा है कि रेन बसेरों में सभी उचित व्यवस्था की जाए तथा जरूरतमंदों को ठंड से बचाव हेतु कंबल उपलब्ध कराए जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर जिले में टीमों को सक्रिय रखते हुए शहरों, कस्बों और प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर प्रभावी निगरानी सुनिश्चित की जाए, ताकि असहाय एवं बेघर लोगों को समय पर राहत मुहैया कराई जा सके। उन्होंने नगरीय क्षेत्रों के साथ ही कस्बों में भी सायंकाल में ठंड अधिक होने पर नियमित रूप से अलाव जलाने के साथ ही नियमित उनकी मोनिटरिंग के भी निर्देश दिए। इधर, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बीती गुरुवार को अपने नैनीताल प्रवास के दौरान प्रशासनिक अकादमी नैनीताल में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आई जनता से मुलाकात की व उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को समस्याओं के निस्तारण हेतु आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान ग्राम सौड़ से आए ग्रामीणों द्वारा पंगोट देचौड़ी सड़क स्वीकृति पर माननीय मुख्यमंत्री जी का आभार व्यक्त किया। ग्रामीणों ने कहा कि काफी लंबे समय से उनकी सड़क निर्माण की जो मांग थी आज उनके द्वारा पूरी कर ली गई है, इससे क्षेत्र वासियों को सड़क सुविधा का लाभ प्राप्त होगा। इस अवसर पर विधायक नैनीताल सरिता आर्या, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट,दर्जा मंत्री अनिल कपूर डब्बू,आयुक्त कुमाऊं मंडल दीपक रावत, पुलिस महानिरीक्षक कुमाऊँ रिद्धिम अग्रवाल, जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मंजूनाथ टीसी सहित तमाम अधिकारी,जनप्रतिनिधि आदि उपस्थित रहे।

दूरस्थ गांव सुरंग में खुली महिला दूध डेरी

कुमाऊं जनसन्देश ब्यूरो

नैनीताल। नैनीताल दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड के अध्यक्ष मुकेश बोरा की अध्यक्षता में दूरस्थ विकासखंड ओखलकांडा के ग्राम सभा सुरंग में महिला दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति 'बाजयल' का शुभारंभ किया गया। समिति के गठन के साथ ही क्षेत्र की महिलाओं में उत्साह, आत्मनिर्भरता और आर्थिक उत्थान की नई किरण दिखाई दी। दुग्ध समिति के उद्घाटन अवसर पर ग्रामीणों ने अध्यक्ष मुकेश बोरा का मालाओं और पुष्पगुच्छों से भव्य स्वागत किया। महिलाओं और स्थानीय लोगों ने उनके नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि समिति के गठन से गांव के विकास को नई दिशा मिलेगी। उद्घाटन के दौरान वक्ताओं ने कहा कि समिति बनने से दुग्ध उत्पादन क्षेत्र में पारदर्शिता बढ़ेगी, महिलाओं को आर्थिक मज़बूती मिलेगी और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर विकसित होंगे। स्थानीय दुग्ध उत्पादक महिलाओं ने इस समिति को क्षेत्र के समग्र विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। ग्रामीणों ने भी उम्मीद जताई कि समिति से दुग्ध संग्रहण, विपणन और गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार होगा। अध्यक्ष मुकेश बोरा ने कार्यक्रम में संबोधित करते हुए कहा कि "महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से दुग्ध सहकारिता और अधिक सशक्त होगी। हमारी कोशिश है कि पर्वतीय क्षेत्रों में दुग्ध उत्पादन को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया जाए ताकि यहां की महिलाएं आर्थिक रूप से और अधिक मजबूत बन सकें। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान सुरंग पुष्पा बोरा, पूर्व क्षेत्र

पंचायत सदस्य नरेश खनवाल और राजेंद्र सिंह बोरा, वन पंचायत सरपंच जया बोरा, पर्वतीय क्षेत्र प्रभारी कृपाल सिंह, प्रभारी दु.अं.के. खनस्यू हरीश आर्या, क्षेत्र पर्यवेक्षक हरीश सिंह कठायत और पूनम दर्मवाल, देवस्थल समिति की अध्यक्ष दीपा देवी, वरिष्ठ नागरिक भवान सिंह, तथा पशु चिकित्सक डा. धीरज सोनल ने प्रतिभाग किया।

सम्पादकीय...

चलनी चाहिए संसद, चर्चा से ही होगा समाधान

संसद के शीतकालीन सत्र के पहले आयोजित सर्वदलीय बैठक में विपक्ष की ओर से जो कुछ कहा गया, उससे यही साफ हुआ कि इस सत्र में अन्य अनेक मुद्दों के साथ मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर का मुद्दा जोर-शोर से उठेगा। विपक्ष को संसद में किसी भी मुद्दे को उठाने का अधिकार है, लेकिन आखिर विपक्षी दल एसआइआर को लेकर सरकार से ऐसा क्या जानना चाहते हैं, जो उन्हें नहीं ज्ञात। यह भी ध्यान रहे कि यह सरकार की ओर से संचालित प्रक्रिया नहीं है। इसे तो चुनाव आयोग अपने संवैधानिक अधिकार के तहत करा रहा है और इसलिए करा रहा है, क्योंकि बीते लगभग दो दशक में इसे नहीं किया गया। इसके कारण मतदाता सूचियों में उन तमाम लोगों के नाम दर्ज हैं, जो या तो मर गए अथवा अन्यत्र चले गए। इसके अलावा कई नामों का दोहराव है। मतदाता सूचियां तभी ठीक हो सकती हैं, जब एसआइआर कराया जाए, लेकिन विपक्षी दलों को इस पर ही आपत्ति है। यह कोई बात नहीं हुई कि मतदाता सूचियों को दुरुस्त करने की मांग भी की जाए और एसआइआर पर आपत्ति भी उठाई जाए। विपक्ष इससे अनभिज्ञ नहीं हो सकता कि बिहार में एसआइआर को लेकर सुप्रीम कोर्ट में लंबी सुनवाई के दौरान उनके वकीलों की ओर से इस संवैधानिक प्रक्रिया के विरोध में जो भी दलीलें दी गईं, वे ठहर नहीं सकीं। इसी कारण बिहार में एसआइआर की प्रक्रिया संभव हो सकी। हालांकि विपक्ष 12 राज्यों में जारी एसआइआर का भी विरोध कर रहा है, लेकिन इसके कहीं कोई संकेत नहीं कि वह उसे रुकवा सकेगा। संसद के इस सत्र में विपक्ष एसआइआर पर जैसे चाहे वैसे सवाल उठा सकता है, लेकिन ऐसा करते हुए उसे ऐसा कुछ नहीं करना चाहिए जिससे संसदीय कार्यवाही बाधित हो। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि अब कोई मुद्दा उठाने अथवा सवाल पूछने के नाम पर ऐसी परिस्थितियां पैदा कर दी जाती हैं जिससे सदन की कार्यवाही चलाना मुश्किल हो जाता है। विपक्षी दलों के नेता भले ही अपनी बात की सुनवाई न होने की शिकायत करते हों, लेकिन सच यह है कि वे चाहते ही नहीं कि उनकी ओर से उठाए गए किसी मुद्दे पर सदन में कोई गंभीर चर्चा हो सके। चूंकि अब संसद का प्रत्येक सत्र हंगामे के लिए जाना जाता है, इसलिए संसद को चलाने के कुछ नए तौर-तरीके अपनाने होंगे। उचित यह होगा कि संसद की कार्यवाही चलाने के लिए कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में जो कुछ तय होता है, उसका विवरण भी सार्वजनिक किया जाए। ऐसे किसी उपाय की आवश्यकता इसलिए है, क्योंकि कार्य मंत्रणा समिति में बनी सहमति सदन के पटल पर कहीं नजर नहीं आती। यदि संसद चलाने के नए तौर-तरीके नहीं खोजे गए तो उसका चलना मुश्किल ही होगा।

मीडिया से बेहतर समन्वय बनाएं जिला सूचना अधिकारी : तिवारी

सूचना निदेशालय में आयोजित बैठक में महानिदेशक सूचना ने दिये अहम निर्देश

कुमाऊं जनसन्देश ब्यूरो

देहरादून। महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी ने जिला सूचना अधिकारियों को सरकार की जन–कल्याणकारी कार्यक्रमों एवं योजनाओं की जानकारी जन–जन तक पहुँचाने के लिए प्रभावी संचार रणनीति बनाकर पेशेवर दक्षता के साथ काम करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने मीडिया से बेहतर समन्वय बनाए रखने और पत्रकारों की समस्याओं का त्वरित समाधान करने के भी निर्देश दिए।

सूचना निदेशालय में आयोजित बैठक में महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी प्रचार–प्रसार को सुनिश्चित करना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी अधिकारी और कर्मचारी समन्वित रूप से कार्य करें तथा यह सुनिश्चित करें कि योजनाओं से संबंधित सभी सूचनाएँ स्पष्ट, सटीक और समय पर जनता तक पहुँचें।

उन्होंने निर्देश दिए कि सोशल मीडिया के माध्यम से सरकारी कार्यक्रमों और उपलब्धियों की जानकारी व्यापक स्तर पर लोगों तक पहुँचाई जाय। सरकारी योजनाओं से जुड़ी सक्सेस स्टोरीज और रोचक लेखों का नियमित रूप से प्रकाशन सुनिश्चित किया जाय। विभागीय सोशल मीडिया पेजों पर प्रकाशित की जाने वाली सामग्री पूर्णत: तथ्यात्मक, संतुलित और सकारात्मक हो तथा किसी भी अपुष्ट जानकारी के प्रसारण से पूरी तरह बचा जाए।

बैठक में सूचना महानिदेशक ने यह भी कहा कि जिला सूचना कार्यालयों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए जिला स्तर पर मीडिया से समन्वय को और अधिक मजबूत किया जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि जिला सूचना अधिकारी सभी सरकारी कार्यक्रमों और जनहितकारी गतिविधियों की समयबद्ध कवरेज सुनिश्चित करें तथा स्थानीय स्तर पर सकारात्मक संचार वातावरण तैयार करने में सक्रिय भूमिका निभाएँ। आपदा सहित अन्य महत्वपूर्ण की घटनाओं की कवरेज की व्यवस्थाओं के संबंध में एसओपी तैयार की जाय। प्रेस सेवा पोर्टल एवं फिल्म शूटिंग की अनुमति के लिए सिंगल विंडो सिस्टम से संबंधित कार्य भी समयबद्ध ढंग से संपादित किए जांय।

सूचना महानिदेशक श्री तिवारी ने कहा कि नए दौर की संचार आवश्यकताओं के अनुरूप विभागीय कार्यों की दक्षता बढाने हेतु आवश्यक सुविधाओं से लैस करने के साथ ही विभाग को सशक्त बनाने के लिए भी ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। विभागीय पुनर्गठन का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। खाली पदों को भरने के लिए अधियाचन भेजा गया है।

उन्होंने जिला सूचना कार्यालयों के कार्यों की प्रगति एवं व्यावहारिक समस्याओं की जानकारी लेते हुए कहा कि कार्यालयों को शासकीय कार्यों के संपादन के लिए बजट की कमी नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने जिला सूचना कार्यालयों के भवन निर्माण के लिए भूमि तलाश करने के भी निर्देश दिए।

बैठक में संयुक्त निदेशक के.एस. चौहान, डा. नितिन उपाध्याय, वरिष्ठ वित्त अधिकारी शशि सिंह, उप निदेशक रवि बिजारनियां, मनोज श्रीवास्तव, सहित जिला सूचना अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

अवसरों का लाभ उठाकर सकारात्मक दृष्टिकोण से आगे बढ़ने की प्रेरणा

पंत विवि में नवागंतुक विद्यार्थियों हेतु `अरूण्य' कार्यक्रम का आयोजन

पंतनगर। गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में पशु चिकित्सा एवं पशुपालन विज्ञान महाविद्यालय के डा. रतन सिंह सभागार में नवागंतुक विद्यार्थियों हेतु वेटरनरी सोसायटी द्वारा 'अरुण्य' कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय की कुलसचिव डा. दीपा विनय के साथ अधिष्ठाता, पशुचिकित्सा एवं पशुपालन विज्ञान महाविद्यालय डा. ए. एच. अहमद, कार्यवाहक अधिष्ठाता छात्र कल्याण डा. राजीव रंजन, स्टाफ काउंसलर डा. अमित प्रसाद एवं को–स्टाफ काउंसलर डा. अमन कंबोज उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि डा. दीपा विनय ने नवागन्तुक विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में उपलब्ध नए अवसरों का भरपूर लाभ उठाने और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थी अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए दृढ़ संकल्प के साथ कार्य करें और विष्वविद्यालय द्वारा प्रदान किए जा रहे संसाधनों का अधिकतम उपयोग करें। अधिष्ठाता डा. ए. एच. अहमद ने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय छात्रों के समग्र विकास के लिए सतत प्रयासरत है और शिक्षण, अनुसंधान तथा व्यक्तित्व विकास के लिए उत्कृष्ट वातावरण प्रदान करता है। कार्यवाहक अधिष्ठाता छात्र कल्याण डा. राजीव रंजन ने बताया कि छात्र कल्याण विभाग विद्यार्थियों के लिए अनेक सुविधाएं उपलब्ध कराता है, जिनका उद्देश्य उनके चौमुखी विकास को सुनिश्चित करना है। उन्होंने विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय एवं राज्य स्तर की खेल–कूद तथा अन्य प्रतियोगिताओं में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, स्वागत सत्र तथा परिचय कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिससे पूरा वातावरण उत्साह एवं ऊर्जा से भर उठा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशकगण, संकाय सदस्य तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन तथा धन्यवाद ज्ञापन वेटरिनरी सोसाइटी की चेयरपर्सन आयुषी उनियाल द्वारा किया गया।

सम्पादक : विनोद चन्द्र पनेरू

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक तथा सम्पादक विनोद चन्द्र पनेरू द्वारा भीड़ापानी ओखलकांडा प्रिन्टिंग प्रेस (मोती सिंह), भोलानाथ गार्डन हल्द्वानी (नैनीताल) से मुद्रित तथा हरिपुर लालमणि पो.ऑ- देवलचौड़, हल्द्वानी, नैनीताल (उत्तराखंड) से प्रकाशित। मो. 9410354318

Email:-vinodpaneru123@gmail.com

डीएसबी कैंपस से निकले वैज्ञानिक डा. भाकुनी ने छात्रों को दी सफलता की प्रेरणा

70 से अधिक पेटेंट धारक वैज्ञानिक ने साझा किए संघर्ष और उद्यमिता के अनुभव

कुमाऊं जनसन्देश ब्यूरो

नैनीताल। कुमाऊं विश्वविद्यालय के डीएसबी कैंपस में रसायन विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित विशेष व्याख्यान में प्रख्यात वैज्ञानिक, उद्यमी और लेखक तथा कैंपस के पूर्व छात्र डॉ. रूप सिंह भाकुनी ने "फोंड मेमोरीज़ फ्रॉम द कॉरिडोर ऑफ डीएसबी कैंपस" शीर्षक से अपने जीवन के अनमोल पलों और शोध यात्रा की कहानी सुनाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत ने की। अपने भावुक संबोधन में डॉ. भाकुनी ने बताया कि डीएसबी कैंपस की कक्षाएं, प्रयोगशाला और हॉस्टल की वो शामें ही थीं जिन्होंने उन्हें एक साधारण पहाड़ी छात्र से विश्व स्तर के वैज्ञानिक और उद्योगपति बनाया। बीएससी और एमएससी की पढ़ाई यहीं से पूरी करने वाले डॉ. भाकुनी ने बताया कि कैसे कैंपस के प्रोफेसरों की प्रेरणा और साथियों की मित्रता ने उनकी जिज्ञासा को वैज्ञानिक दिशा दी। पॉलीमर साइंस और टायर टेक्नोलॉजी में विश्व प्रसिद्धि प्राप्त डॉ. भाकुनी ने अपने ७० से अधिक अंतरराष्ट्रीय पेटेंट, हुंडई स्टील (दक्षिण कोरिया) में उच्च पद पर कार्यकाल और भारत में कई औद्योगिक इकाइयों की स्थापना की सफलता गाथा सुनाई। उन्होंने विशेष रूप से उत्तराखंड के युवाओं को रोजगार और अवसर उपलब्ध कराने तथा "उत्तराखंड की प्रतिभाएं" पुस्तक के माध्यम से राज्य की जीवित हस्तियों को सम्मान देने के अपने प्रयासों का जिक्र किया। पहाड़ फाउंडेशन के माध्यम से समाजसेवा में उनकी सक्रिय भागीदारी भी सराही गई युवा शोधार्थियों को संदेश देते हुए उन्होंने कहा, "सपने देखिए, लेकिन उन्हें पूरा करने के लिए दिन–रात मेहनत, अनुशासन और ईमानदारी से काम कीजिए। पहाड़ का पानी और डीएसबी कैंपस की मिट्टी में वो ताकत है जो आपको दुनिया में कहीं भी ऊंचाइयों तक पहुंचा सकती है। रसायन विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. चित्रा पांडे ने डॉ. भाकुनी का स्वागत करते हुए उन्हें विभाग का गौरव बताया। कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत ने उनके योगदान की प्रशंसा की और भविष्य में ऐसे अलुम्नाई संवाद कार्यक्रमों को नियमित करने की घोषणा की। कार्यक्रम का संचालन प्रो. ललित तिवारी ने किया। इस अवसर पर निदेशक डॉ. नीता बोरा शर्मा, प्रो. एच.सी.एस. बिष्ट, प्रो. रितेश शाह, प्रो. एन.जी. साहू, डॉ. सुहेल जावेद, प्रो. महेश चंद्र आर्या, डॉ. मनोज धौनी, डॉ. पैनी जोशी, डॉ. ललित मोहन, डॉ. गिरीश खर्कवाल, डॉ. दीपशिखा जोशी, डॉ. आंचल अनेजा, डॉ. आकांक्षा रानी, डॉ. भावना पंत, श्री चंदन डांगी आदि उपस्थित रहे।

समय का सम्मान, लक्ष्य के प्रति समर्पण जरूरी : गुरमीत

राज्यपाल ने रिवरडेल इंटरनेशन स्कूल में आयोजित समारोह में बतौर मुख्य अतिथि की शिरकत

कुमाऊं जनसन्देश ब्यूरो

बाजपुर। राज्यपाल ले. जनरल गुरमीत सिंह (सेनि.) ने रिवरडेल इंटरनेशन स्कूल को २५ वर्ष पूर्ण होने पर विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचकर स्कूल परिवार को बधाई दी। महामहिम ने कार्यक्रम का फीता काटकर व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। महामहिम राज्यपाल को रिवरडेल इंटरनेशन स्कूल हैलीपैड पहुंचने पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा, मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी ने पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया।

अपने सम्बोधन में महामहिम ने कहा कि पर्वतराज हिमालय की तलहटी स्थित देवभूमि में, माँ सरस्वती के इस पावन प्रांगण में उज्ज्वल भविष्य की ऊर्जा से भरे आप सभी विद्यार्थियों के मध्य उपस्थित होने पर, मुझे अपार प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है। उन्होंने सभी स्टूडेंट्स, अध्यापकगण, अभिभावकों और विद्यालय परिवार को रजत जयंती के इस सुअवसर पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि आज रिवरडेल इंटरनेशनल स्कूल की २५ वर्ष की इस गौरवशाली यात्रा का साक्षी बनना मेरे लिए अत्यंत सम्मान और गौरव का क्षण है। रिवरडेल का यह सफर समर्पण, उत्कृष्टता, अनुशासन और दूरदर्शिता के उज्ज्वल अध्यायों से भरा एक प्रेरक इतिहास है। उन्होंने कहा कि हर उत्सव हमें यह अवसर देता है कि हम जहाँ खड़े हैं उसका मूल्यांकन करें, जहाँ पहुँचे हैं उस पर गर्व करें और भविष्य के लिए नए संकल्प लें। महामहिम ने कहा कि ये नन्हे–मुन्ने बच्चे नर्सरी के बच्चों की मासूम प्रस्तुति, एलकेजी के किड्स की रैटल ड्रिल, यूकेजी के छात्रों का पोम पोम शो, उनकी तितलियों–सा उड़ता बटरफ्लाई डांस, चाइनीज डांस, हॉकी ड्रिल, फ्लावर ड्रिल और जिमनास्टिक – ये सब इस विद्यालय की आत्मा और संस्कृति की झलक थी। इन प्रस्तुतियों में मेहनत, अनुशासन, आत्मविश्वास और कला के प्रति प्रेम दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि आज इस गरिमामय अवसर पर, मुझे अपने बचपन और स्कूली दिनों की यादें ताजा हो गई हैं। उन्होने कहा अनुशासन, समय का सम्मान, लक्ष्य के प्रति समर्पण– ये मूल्य मैंने अपने विद्यालय से सीखे, और वे मेरे पूरे सैन्य जीवन में मार्गदर्शक बने रहे। उन्होने कहा मैं चाहता हूँ कि रिवरडेल के हर छात्र के हृदय में भी ऐसे ही मूल्य अंकित रहें, जो उन्हें जीवन के हर संघर्ष में मजबूत बनाएं और राष्ट्र भक्ति, राष्ट्र प्रेम और राष्ट्र प्रथम की भावनाओं से भर दें।

महामहिम ने कहा कि जनपद उधम सिंह नगर का नाम हम सभी के मन में अदम्य साहस, बलिदान और मातृभूमि–प्रेम का संदेश देता है। उन्होने कहा मेरा विश्वास है, जिस जिले का नाम ऐसे वीर के नाम पर रखा गया हो, वहाँ का हर बच्चा स्वाभाविक रूप से राष्ट्र प्रेम और कर्तव्यनिष्ठा में अग्रणी ही होगा। उन्होंने कहा कि इस स्कूल की यह हरियाली, शांति और प्रदूषण मुक्त वातावरण, यह वातावरण विद्यार्थियों को प्रकृति से जोड़ता है और उन्हें संवेदनशील बनाता है। विद्यालय का आदर्श वाक्य–उत्कृष्टता की खोज में सिर्फ शब्द नहीं, बल्कि हर विद्यार्थी के आचरण में दिखाई देने वाला दर्शन है। उन्होंने कहा कि रिवरडेल का प्रतीक स्तंभ, खुली किताब, मशाल और उड़ते हुए कबूतर – चरित्र, ज्ञान, प्रकाश और निरंतर ऊँचाई की प्रेरणा का प्रतीक हैं। यह प्रतीक केवल एक चिन्ह नहीं, बल्कि उन मूल्यों का वचन है, जिन्हें यह स्कूल अपने विद्यार्थियों में रोपित करता चला आ रहा है।

महामहिम ने कहा कि विद्यालय के संरक्षकों का विजन परंपरागत शिक्षा से आगे बढ़कर विश्वस्तरीय शिक्षा की ओर कदम बढ़ाना, आज यहाँ के हर कार्यक्रम और उपलब्धि में परिलक्षित होता है। मैं उत्तराखण्ड के प्रथम राज्यपाल माननीय सुरजीत सिंह बरनाला जी को भी स्मरण करता हूँ, जिनके हाथों इस संस्था की आधारशिला रखी गई। उनके द्वारा बोया गया बीज आज विशाल वटवृक्ष बन चुका है। उन्होंने कहा कि रिवरडेल इंटरनेशनल स्कूल केवल एक संस्थान नहीं, बल्कि उत्कृष्टता की परंपरा है, जिसे एस. पूरन सिंह मेमोरियल एजुकेशनल एंड चौरिटेबल सोसाइटी ने आगे बढ़ाया है। पूरन सिंह जी एक व्यापक सोच वाले समाज सुधारक थे। श्री हरचंद सिंह बराड़ जैसी महान विभूतियों का योगदान इस संस्थान की आत्मा में रचा–बसा है साथ ही, जसबीर कौर जी की समर्पित शिक्षा–सेवा ने रिवरडेल को वर्तमान ऊँचाइयों तक पहुँचाया है। उन्होंने कहा कि मुझे यह जानकर गर्व होता है कि विद्यालय की आधारभूत संरचना आधुनिक और प्रेरणादायक है। सौर ऊर्जा संचालित परिसर, स्विमिंग पूल, ट्रैफिक पार्क, विशाल सभागार, एनसीसी की सशक्त इकाई, शूटिंग रेंज, बाधा कोर्स, आधुनिक प्रयोगशालाएं, रोबोटिक्स लैब, कंप्यूटर लैब, एनआईआईटी संचालित मैथ लैब और वनस्पति उद्यान। यह व्यवस्था बताती है कि रिवरडेल केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि भविष्य की प्रयोगशाला है। महामहिम ने कहा कि जीवन में सफलता किसी आकस्मिक परिस्थिति का फल नहीं होती, यह तो अनुशासन, समय के सदुपयोग और सतत परिश्रम की उपज है। सैन्य जीवन ने मुझे सिखाया कि समय का सम्मान करने वाला व्यक्ति ही हर चुनौती में विजयी बनता है। उन्होने कहा कि जीवन केवल ज्ञान अर्जन नहीं, बल्कि उच्च आदर्शों को आत्मसात करने की साधना है। ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, सम्मान और करुणा– ये वे मूल्य हैं जो चरित्र को उत्कृष्ट बनाते हैं। माता–पिता, गुरुजनों और समाज के प्रति सम्मान ही सुदृढ़ व्यक्तित्व की वास्तविक नींव है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य अंकों तक सीमित नहीं, इसका वास्तविक अर्थ जीवन में उसका विवेकपूर्ण प्रयोग है। वही ज्ञान सार्थक है जो सोच का विस्तार करे, आचरण को परिष्कृत बनाए और आत्मविश्वास प्रदान करे। इसलिए शिक्षा को मात्र परीक्षा का साधन न बनाकर व्यक्तित्व का आधार बनाइए। उन्होंने कहा कि जीवन में स्पष्ट लक्ष्य अत्यंत आवश्यक हैं। मार्ग में आने वाली कठिनाइयाँ सफलता की सीढ़ियाँ होती हैं, जिन्हें धैर्य और निरंतर प्रयास से पार किया जा सकता है। उन्होने कहा नेतृत्व का वास्तविक अर्थ है– टीमभाव, निर्णय क्षमता और उत्तरदायित्व का निर्वहन। विद्यालय की प्रत्येक गतिविधि आपको भविष्य के नेतृत्व के लिए तैयार करती है, इसलिए उनमें पूरे मनोयोग से प्रतिभाग करें।

महामहिम ने कहा कि आज का युग तकनीक की तीव्र प्रगति का युग है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और डिजिटल कौशल आने वाले समय की आधारशिला हैं। श्।प् डपेपवद २०२५श् में सक्रिय भागीदारी आपके लिए अवसर भी है उत्तरदायित्व भी है और उज्ज्वल भविष्य की कुंजी भी। उन्होंने कहा कि नवाचार और उद्यमिता इस युग की नई शक्ति हैं। नए विचारों का स्वागत करें, प्रयोग करें, सीखें और आगे बढ़ें। संभव है कि आपका एक विचार समाज की किसी चुनौती का समाधान बन जाए। उन्होंने कहा कि आप अमृतकाल की वह सशक्त पीढ़ी हैं, जो अपने ज्ञान, तकनीकी दक्षता, नैतिक मूल्यों और संकल्पबद्ध कर्म से भारत के भविष्य का स्वरूप गढ़ेगी। आपके भीतर वह क्षमता है जो राष्ट्र को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अग्रणी बनाए, समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाए और उत्तराखण्ड की इस पवित्र धरती से उठकर भारत को विश्व का नेतृत्व करने के मार्ग पर आगे बढ़ाए। महामहिम ने शिक्षकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आप केवल ज्ञान के वाहक नहीं, बल्कि राष्ट्र के निर्माता हैं। आपका शब्द, आपका व्यवहार और आपकी प्रेरणा, ये विद्यार्थियों के जीवन की दिशा तय करती है। उन्होंने कहा कि बदलते समय के साथ नई तकनीक और पद्धतियों का उपयोग, छात्रों के साथ मित्रवत संबंध, अंकों से आगे बढ़कर समग्र विकास पर ध्यान ये सभी आवश्यक हैं। आपका योगदान जितना मौन है, उतना ही महान है। उन्होंने कहा कि आज रिवरडेल की रजत जयंती पर मैं प्रबंधन समिति, स्कूल के संरक्षकों, शिक्षकों, कर्मचारियों, अभिभावकों और छात्रों – पूरे परिवार को हृदय से धन्यवाद देता हूँ। पिछले २५ वर्षों में आपने जिस दृढ़ता, समर्पण और प्रेम से इस संस्था को ऊँचाइयों तक पहुँचाया है, वह वास्तव में अनुकरणीय है।

महामहिम ने विद्यार्थियों व शिक्षकों से कहा कि मै यही संदेश देना चाहूंगा कि सपने वही देखें जो पूरे भारत को आगे बढ़ाएँ। हर कदम पर यही सोचें– मैं ऐसा क्या कर सकता हूँ, जिससे मेरा राज्य, मेरा समाज और मेरा राष्ट्र आगे बढ़े। मैं दावे के साथ कह सकता हूँ– आप सभी में वह ऊर्जा, वह क्षमता और वह संभावनाएँ हैं, जो भारत को नए क्षितिज तक ले जा सकती हैं और विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत एवं विश्व गुरु भारत का स्वप्न साकार कर सकती हैं। कार्यक्रम में स्कूली बच्चों ने अनेक मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य परमीन कौर, अध्यक्ष हरमीन्दर सिंह बरार, सचिव जेपी सिधू, पूर्व दर्जा मंत्री राजेश कुमार, हरेन्द्र सिंह लाडी, अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय, उप जिलाधिकारी डॉ० अमृता शर्मा, अभय प्रताप सिंह सहित अभिभावक व छात्र–छात्राएं मौजूद थे।

पशुपालकों एवं वैज्ञानिकों के बीच समूह चर्चा आयोजित

कुमाऊं जनसन्देश ब्यूरो

पंतनगर। पंत विश्वविद्यालय में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद–केन्द्रीय गोवंष अनुसंधान संस्थान, मेरठ द्वारा वित्त पोषित अखिल भारतीय पशु शोध समन्वित परियोजना–फ्रिजवाल के अन्तर्गत ग्राम रामनगर, केलाखेड़ा में पशुपालकों एवं वैज्ञानिकों के बीच समूह चर्चा आयोजित की गयी। परियोजना की वित्तीय संस्था केन्द्रीय गोवंष अनुसंधान संस्थान, मेरठ से परियोजना के क्षेत्रीय स्तर पर मूल्यांकन हेतु आयी टीम के प्रधान वैज्ञानिक डा. रविन्द्र कुमार द्वारा इस समूह चर्चा का उद्घाटन किया गया।

डा. रविन्द्र कुमार द्वारा सभी पशुपालकों एवं परियोजना टीम के सदस्यों के उत्साहवर्धन करने के साथ–साथ पषु प्रबन्धन के मुख्य बिन्दुओं पर प्रकाष डाला एवं पषुपालन के सभी तकनीकी पहलुओं पर चर्चा की गयी। पषुपालकों द्वारा बताई गई समस्याओं के समाधान के साथ–साथ पशुपालकों को सम्बोधित करते हुए पशुपालन के सभी तकनीकी आयामों को अपनाकर उन्नत पशुपालन करने की जानकारी दी गयी। परियोजनाधिकारी डा. सी.बी. सिंह, टीम के सदस्य डा. रिपुसुदन कुमार एवं केन्द्रीय गोवंष अनुसंधान संस्थान, मेरठ से डा. रविन्द्र कुमार, डा. स्नेहा पॉडा, डा. सोनम द्विवेदी एवं डा. रूपाली रौतेला द्वारा भाग लिया गया।

समूह चर्चाओं में पशुपालकों का पंजीकरण एवं सामग्री वितरण कुमारी अराधना फुलार एवं धन्यवाद प्रस्ताव डा. सी.बी. सिंह द्वारा किया गया। समूह चर्चा में कुल १६ पशुपालकों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

कोसी बैराज में पर्यटन संभावनाओं पर मंथन

जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने किया क्षेत्र क निरीक्षण

कुमाऊं जनसन्देश ब्यूरो

अल्मोड़ा। जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने राम प्रसाद टम्टा कोसी बैराज का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बैराज क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने की संभावनाओं का बारीकी से मूल्यांकन किया। जिलाधिकारी ने अधिकारियों के साथ बैराज परिसर का व्यापक निरीक्षण करते हुए कहा कि यह क्षेत्र प्राकृतिक सौंदर्य एवं शांति से परिपूर्ण है, जिसकी वजह से यहां इको–टूरिज्म, वाटर एक्टिविटीज, पिकनिक स्पॉट विकास, ट्रैकिंग ट्रेल्स, व्यू प्वाइंट तथा स्थानीय उत्पादों के विपणन जैसे कई संभावित क्षेत्रों को विकसित किया जा सकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि पर्यटन विकास से जुड़े बुनियादी ढांचे का सर्वे तैयार किया जाए।

जिलाधिकारी ने संबंधितों को निर्देश दिए कि मुख्यमार्ग से बैराज तक आकर्षक रंग वाले फूलों के पेड़ लगाए जाएं, जिससे पर्यटकों को आकर्षक लगे। पूरे मार्ग पर हेरिटेज पोल और द्वार बनाए जाएं। समूचे मार्ग पर सोलर लाइट लगाने के निर्देश संबंधित को दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि इस पूरे बैराज क्षेत्र की भूमि का सीमांकन भी किया जाए जिससे पर्यटन गतिविधियों को लेकर विस्तृत प्लान तैयार किया जा सके। जिलाधिकारी ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि बैराज को डिसिल्ट करने के लिए जल्द से जल्द कार्य आरम्भ कर दिए जाएं।

जिलाधिकारी ने बैराज में बोटिंग, जिपलाइन पर्यटन, कैफे एरिया, पार्क तथा कैंटीन के संचालन के लिए विस्तृत कार्य योजना बनाने के निर्देश संबंधितों को दिए। इसके पश्चात जिलाधिकारी ने कोसी पुल के निकट बोट हाउस का निरीक्षण किया तथा इस बिल्डिंग के संचालन के संबंध में संबंधितों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि कोसी बैराज को एक आकर्षक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किए जाने से न केवल यहां की स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी, बल्कि अल्मोड़ा जिले में नए पर्यटन आयाम भी जुड़ेंगे। इस दौरान उप निदेशक पर्यटन प्रकाश सिंह खत्री, अधिशासी अभियंता सिंचाई मोहन सिंह रावत समेत अन्य संबंधित उपस्थित रहे।

योजनाओं को समय पर गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश

सांसद अजय भटट ने सर्किट हाउस में ली जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति द्धदिशाऋ की बैठक

कुमाऊं जनसन्देश ब्यूरो

हल्द्वानी। जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में अध्यक्ष/सांसद अजय भटट ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि योजनाओं को समयबद्ध एवं गुणवत्ता के साथ पूरा करें ताकि आमजनता को योजनाओं का लाभ मिल सके। सांसद अजय भटट ने सर्किट हाउस काठगोदाम में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में केन्द्र सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा दिशा की बैठकों की मनिटरिंग केन्द्र सरकार द्वारा की जाती है इसलिए अधिकारी गम्भीरता से कार्ययोजनाओं को समयबद्धता के साथ आपसी समन्वय से कार्य करें और सरकार द्वारा संचालित योजनाओं को धरातल पर उतारें ताकि जनता लाभान्वित हो सके। बैठक में पीएमजीएसवाई, लोनिवि, किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्र्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना, उज्जवला योजना,स्वच्छ भारत मिशन,प्रधानमंत्री कृषि सिचाई योजना,राष्टीय स्वास्थ्य मिशन,समग्र शिक्षा,रोपवे, प्रधानमंत्री मत्स्य योजना,पीएम सूर्य घर योजना के बारे में विस्तृत प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा की। जनपद में जलजीवन मिशन के द्वारा किये जा रहे कार्यों पर सांसद अजय भटट ने गहरी नाराजगी व्यक्त की। ब्लाक प्रमुख भीमताल हरीश बिष्ट ने बताया कि भीमताल के पर्वतीय क्षेत्रों मे जेजेएम के द्वारा नल लगा दिये है लेकिन नलों में पानी नही आता है ग्रामीण लोगों को पेयजल के लिए परेशानियों का सामना करना पड रहा है। जिस पर श्री भटट ने जेजेएम के कार्यों की प्रगति के सम्बन्ध में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में शीघ्र बैठक की जाए। पर्वतीय क्षेत्रों मे ंजिन स्थानों पर स्रेत ही नही थे पानी का कनैक्शन लगा दिया जिस पर सांसद ने कहा कि जांच की जायेगा लापरवाही कतई बर्दास्त नही की जायेगी। ब्लाक प्रमुख हल्द्वानी मंजू गौड ने बताया कि हल्द्वानी शहर में जेजेएम योजना के तहत शहर की अधिकांश सडक को खोद दिया गया है और लोगों को आवागमन हेतु काफी परेशानियों का सामना करना पडता है। सांसद भटट के पूछे जाने पर नोडल अधिकारी जेजेएम विशाल सक्सेना ने बताया कि सडक मरम्मत हेतु लोनिवि को ६० प्र्रतिशत धनराशि दे दी गई जिस पर लोनिवि द्वारा बताया गया कि टेंडर प्रक्रिया गतिमान है शीघ्र ही सडक मरम्मत का कार्य प्रारम्भ किया जायेगा। पर्वतीय क्षेत्रों में चिकित्सालयों में चिकित्सकों की कमी सांसद भटट ने चिंता जताते हुये सीएमओ को निर्देश दिये कि शीघ्र डाक्टरों की तैनाती एवं टैक्निकल स्टाफ एव उपकरणों का प्रस्ताव शीघ्र भेजे जाएं। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों की विशेषज्ञ डाक्टर तैनात है उन्हें साप्ताहिक अन्य क्षेत्रों में भी रोटेशन के आधार पर भेजा जाए। उन्होंने कहा प्रदेश सरकार द्वारा शीघ्र ही विशेषज्ञ डाक्टरों की तैनाती की जा रही है। जिला विकास प्राधिकरण की समीक्षा करते हुये सांसद भटट ने सचिव विकास प्राधिकरण को निर्देश दिये कि जनसामान्य की सुविधा हेतु भवन मानचित्रों की स्वीकृति के लिए नियमित कैम्प लगाकर भवन मानचित्रों का निस्तारण किया जाए और लोगों का सहयोग करने के निर्देश दिये। विगत बैठक में ब्लाक भवन भीमताल में वर्षाकाल में पानी टपकने पर आपत्ति जताई थी। जिस पर ग्रामीण अभियंत्रण विभाग द्वारा मररम्त कार्य किया गया लेकिन सत्यापन नही कराया गया। जिस पर सांसद भटट कहा कि कार्य पूर्ण हो गया है तो सत्यापन क्यों नही कराया जिस पर उन्होंने जांच के आदेश दिये। पर्वतीय क्षेत्रों में संचार सेवा की समीक्षा के दौरान बीएसएनएल के अधिकारियों द्वारा बताया गया कि पर्वतीय क्षेत्रों मे ९० प्रतिशत नेटवर्क की समस्या का समधान कर लिया गया है जिन क्षेत्रों टावर की आवश्यकता थी वहां टावर लगा दिये गये हैं और नये क्षेत्रों में टावर लगाने का सर्वे चल रहा है। सांसद भटट ने कहा कि ओखलकांडा क्षेत्र में वर्तमान में नेटवर्क की समस्या आ रही है जिसका समाधान अधिकारी क्षेत्रों में जाकर शीघ्र करें। उन्होंने कहा शीघ्र ही एक बैठक बीएसएनएल के साथ ही जायेगी। शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि डॉनपरेबा में एक स्कूल का ध्वस्तीकरण एक वर्ष पूर्ण हो चुका है लेकिन शिक्षा विभाग द्वारा कोई कार्यवाही नही की गई श्री भटट ने खण्ड शिक्षा अधिकारी को एक सप्ताह में रिर्पोट प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। खेल विभाग की समीक्षा के दौरान कार्यदायी संस्था सिंचाई विभाग बताया गया कि अन्तर्राष्टीय स्टेडियम में ३२ करोड का कार्य प्रगति पर है जिस पर ५० प्रतिशत वर्क पूर्ण कर लिया गया है। सांसद भटट ने मोतीनगर एवं हरिपुर बच्ची फेंसिंग जो क्षतिग्रस्त हो गई है जिससे किसानों को काफी नुकसान हो रहा है। उन्होंने प्रभागीय वनाधिकारी को शीघ्र फेंसिंग की मरम्मत कराने के निर्देश दिये। बैठक में अध्यक्ष जिला पंचायत दीपा दरम्वाल, विधायक सरिता आर्या, रामसिंह कैडा, ब्लाक प्रमुख भीमताल हरीश बिष्ट,ओखलकांडा केडी रूवाली, रामगढ दीप कुमार, हल्द्वानी मंजू गौड के साथ ही जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल, डीडीओ गोपाल गिरी गोस्वामी, सचिव प्राधिकरण विजय नाथ शुक्ल के साथ ही विभागीय अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

अन्तराष्ट्रीय मानकों के अनुसार बन रहा पंतनगर हवाई अड्डा : भट्ट

कुमाऊं जनसन्देश ब्यूरो

रुद्रपुर। सांसद एवं अध्यक्ष भारतीय विमानपत्तन हवाई अड्डा सलाहकार समिति पंतनगर अजय भट्ट की अध्यक्षता में भारतीय विमानपत्तन हवाई अड्डा सलाहकार समिति की बैठक जिला सभागार में आयोजित हुई। सांसद भट्ट ने कहा कि पंतनगर हवाई अड्डा अन्तराष्ट्रीय मानकों के अनुसार बनाया जा रहा है। जिसे ३८० करोड़ की लागत से पंतनगर हवाई अड्डा विस्तारीकरण कार्य किये जा रहे है। उन्होने सभी सम्बन्धित कार्यदायी संस्थाओं को आपसी समन्वय के साथ कार्यो को त्वरित गति से करने के निर्देश दिये। उन्होने कहा पंतनगर एयरपोर्ट रिजनल कनेक्टवीटी स्कीम उड़ान योजना के अन्तर्गत भारत सरकार, उत्तराखण्ड सरकार व विमानपत्तनन प्राधिकरण द्वारा संचालित है। इसलिए यात्रियों को अधिक से अधिक सुविधाएं उपलब्ध करायी जाये व एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दिया जाये। उन्होंने कहा कि पंतनगर एयरपोर्ट विस्तारीकरण से प्रदेश व क्षेत्र में पर्यटकों की आवाजाही में अत्यधिक बढ़ोतरी होगी जिससे क्षेत्र व प्रदेश की आर्थिकी भी मजबूत होगी।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी ने बताया कि पंतनगर एयरपोर्ट विस्तारीकरण हेतु ५२४.७० एकड़ भूमि एयरपोर्ट प्राधिकरण के नाम आवंटित कर दी गयी है साथ ही टीडीसी, पंतनगर विश्वविद्यालय, सैनिक फर्म आदि की जो भी भूमि एयरपोर्ट को आंवटित की गयी है उसमे भवनों का ध्वस्तीकरण व पेड़ों का कटान कार्य किया जा रहा है। उन्होने बताया कि समय—समय पर एयरपोर्ट प्राधिकरण, जिला प्रशासन व वन विभाग की आपसी समन्वय से एयपोर्ट के भीतर जानवरों को भगाने, झाड़ी व पेड़ कटान किये जा रहे है तथा प्रतिबन्धित प्रजाति के पेड़ों को चिन्हित कर लिया गया है जिनका शीघ्र कटान किया जायेगा।

निदेशक पंतनगर हवाई अड्डा पवन कुमार ने बताया कि एयरपोर्ट के विस्तारीकरण कार्यो में बाउंड्री निर्माण कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है। अन्तराष्ट्रीय मानकों के अनुसार ०३ हजार मीटर का रनवें बनाया जा रहा है तथा नया टर्मिनल के साथ ही हैंगर, आइएलएस सुविधा, कार्गो बनाया जायेगा। उन्होने बताया कि वर्तमान एयरपोर्ट में भी यात्रियों की सुविधा देने हेतु एटीम, कार पार्किंग, टैक्सी रिटेल काउंटर, वाईफाई सुविधा कार्य किये जायेगें साथ ही यात्रियों के लिए हैल्पडैक्स व प्राथमिक चिकित्सा व एम्बुलेंस सुविधा भी रखी गयी है। उन्होने बताया कि वर्तमान में एयरपोर्ट में सुरक्षा व्यवस्था हेतु ७५ पदों के सापेक्ष २० ही कार्मिक तैनात है। उन्होंने रिक्त सुरक्षा कार्मिकों व क्यूआरटी टीम की तैनाती कराने का अनुरोध किया। बैठक में एसपी निहारिका तोमर, अपर जिलाधिकारी कौस्तुभ मिश्र, नगर आयुक्त शिप्रा जोशी, एसडीएम मनीष बिष्ट, डीजीएम एयरपोर्ट अनूप गुप्ता, पीएस बृजवाल, सदस्य हेमन्त कुमार नरूला, शुभम टंडन, लोकेश जोशी, नरेश चन्द्र, विमल लोसाली, सांसद कपिल शर्मा, योगेश वर्मा, पीडी एनएचएआई मेहुल जिंदल, प्रबंधक मीनू आदि मौजूद थे।

लखपति दीदी योजना से 1.68 लाख महिलाएं बनी आत्मनिर्भर

लोक कलाकारों को मजबूत करने के लिए हर छह माह में नई सूची तैयार : धामी

कुमाऊं जनसन्देश ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सोशल बलूनी पब्लिक स्कूल, देहरादून में आयोजित ”उत्तराखंड लोक विरासत २०२५“ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम में पहुंचने पर उपस्थित जनसमूह एवं आयोजकों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर विधायक विनोद चमोली भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि ”उत्तराखंड लोक विरासत“ मात्र एक सांस्कृतिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह हमारी पहचान, हमारी परंपराओं और हमारी जड़ों का उत्सव है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड की लोक संस्कृति सदियों पुरानी समृद्ध धरोहर है। उन्होंने बताया कि हमारे लोकनृत्यों, लोकगीतों, वेशभूषाओं, लोककलाओं और पर्व—त्योहारों में हमारा जीवन, हमारी भावनाएँ और हमारी सामाजिक व्यवस्था गुंथी हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि झोड़ा, छपेली, चांचरी, पंवारी जैसे लोकगीत व नृत्य सिर्फ कलात्मक अभिव्यक्ति नहीं हैं, बल्कि सामूहिकता, प्रेम, वीरता और समाज की संवेदनाओं के प्रतीक हैं। मुख्यमंत्री ने पारंपरिक वेशभूषा पिछोड़ा, घाघरा, लहंगा, फेटूआ, पगड़ी को मात्र पहनावे नहीं बल्कि संस्कृति के प्रतीक बताते हुए कहा कि रिंगाल शिल्प, काष्ठ कला, चांदी के आभूषण, ऊनी वस्त्र और धातुकला जैसी विधाएँ सदियों से उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था का आधार रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बग्वाल, फूलदेई, हरेला, इगास—बग्वाल, मकर संक्रांति जैसे त्यौहार प्रकृति से हमारे जुड़ाव और सामाजिक एकता के प्रतीक हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोक संस्कृति वह माध्यम है जिसके जरिए पुरानी पीढ़ी अपना ज्ञान, अनुभव और परंपराएँ नई पीढ़ी को सौंपती है। इसलिए इसका संरक्षण सरकार के साथ—साथ हर नागरिक का कर्तव्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आज सांस्कृतिक पुनर्जागरण के स्वर्णिम काल से गुजर रहा है। उन्होंने ”विरासत भीदृविकास भी“ के मंत्र को भारत की सांस्कृतिक चेतना का प्राणवाक्य बताया। राम मंदिर, काशी विश्वनाथ धाम, महाकाल लोक, बदरी केदार मंदिरों के पुनर्विकास को देश की आध्यात्मिक महाशक्ति के पुनरुत्थान का प्रमाण बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार भी इसी दिशा में सतत प्रयास कर रही है। लोक कलाकारों के सत्यापन हेतु हर छह माह में सूची तैयार की जा रही है, जिससे कलाकारों को सहायता सुगमता से मिल सके। कोरोना काल में लगभग ३,२०० पंजीकृत कलाकारों को प्रतिमाह सहायता दी गई और ६० वर्ष से अधिक आयु के कलाकारों को पेंशन प्रदान की जा रही है। युवा पीढ़ी को लोक परंपराओं से जोड़ने हेतु गुरुदृशिष्य परंपरा के तहत प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि साहित्य, कला व लोक धरोहरों के संरक्षण एवं प्रकाशन में राज्य सरकार लगातार सहयोग प्रदान कर रही है। साहित्य गौरव सम्मान, साहित्य भूषण, लाइफ टाइम अचीवमेंट सम्मान के माध्यम से उत्कृष्ट रचनाकारों को सम्मानित किया जा रहा है। स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए ”एक जनपद दो उत्पाद“ योजना तथा ”हाउस ऑफ हिमालयाज“ ब्रांड के माध्यम से पारंपरिक उत्पादों को वैश्विक मंच प्रदान किया जा रहा है। महिला सशक्तिकरण पर बात करते हुए मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों और लखपति दीदी योजना ने आर्थिक रूप से लाखों महिलाओं को सशक्त बनाया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 1 लाख 68 हजार से अधिक महिलाएँ ”लखपति दीदी“ बन चुकी हैं, जो गर्व की बात है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ”विकल्प रहित संकल्प“ के साथ सांस्कृतिक, सामाजिक और आध्यात्मिक विरासत को सुरक्षित व सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने उपस्थित कलाकारों, साहित्यकारों, संगीतकारों और संस्कृति प्रेमियों से अपेक्षा की कि वे अपनी प्रतिभा व सृजनशीलता से समाज का नेतृत्व करते रहें और लोक संस्कृति को नई पीढ़ी तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहें। अंत में मुख्यमंत्री ने आयोजन से जुड़े सभी लोगों को धन्यवाद देते हुए कार्यक्रम की सफलता की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान तमाम लोग उपस्थित रहे।

सीएम धामी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर आधारित पुस्तकों का विमोचन

कुमाऊं जनसन्देश ब्यूरो

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने बीते दिनों राजभवन में देवभूमि उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के व्यक्तित्व व कृतित्व पर केंद्रित युवा लेखिका संभावना पंत द्वारा संकलित पुस्तकों पुष्कर धामी: हिमालय की जीवंत ऊष्मा और पुष्कर धामी : द वाइब्रेंट आफ द हिमालयाजपुस्तक का विमोचन किया गया। पुस्तक के विमोचन के अवसर पर श्री कल्कि पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम महाराज (संभल), परमार्थ निकेतन ऋषिकेश स्वामी चिदानंद सरस्वती जी महाराज और पूर्व राज्यपाल महाराष्ट्र एवं पूर्व मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड भगत सिंह कोश्यारी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। पुस्तकों का प्रकाशन प्रभात पब्लिकेशन और रूपा पब्लिकेशन द्वारा किया गया है। राज्यपाल ने पुस्तक की लेखिका संभावना पंत को साधुवाद देते हुए कहा कि बेटियां भगवान का स्वरूप होती हैं। उनके लेखन कला की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने अपने नाम संभावना के अनुरूप काम भी किया है। उन्होंने कहा कि किस तरह से इन पुस्तकों में लेखिका ने प्रशंसनीय काम किया है कि पहाड़ के संघर्षों से जूझता बालपन, दादाजी श्री खेम सिंह जी के आदर्शों को आत्मसात करता हुआ एक युवक, माता की विनम्रता व शालीनता की शिक्षा और एक सैनिक पिता के दृढ़ता, कर्तव्य परायणता और अनुशासन में तपकर कैसे तैयार हुआ एक पुष्कर। राज्यपाल ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में बड़े—बड़े ऐतिहासिक काम हुए हैं। उत्तराखण्ड राज्य आज प्रत्येक क्षेत्र में अग्रिम पंक्ति में खड़ा है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के २०४७ के विकसित भारत विजन के अनुरूप प्रत्येक क्षेत्र में राज्य में विकास कार्यों के नए—नए कीर्तिमान स्थापित किये जा रहे हैं।अपने कार्यों से मुख्यमंत्री ने प्रदर्शित किया है कि वे एक फ्रंटलाइन लीडर हैं। राज्य में बड़ी—बड़ी आपदाओं चाहे सिलक्यारा हो, जोशीमठ हो या धराली से थराली, सभी जगह उन्होंने सबसे पहले प्रभावित लोगों के बीच में पहुंचकर उनकी पीड़ा पर मरहम लगाने का काम किया। उन्होंने प्रदेश की कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए कई ऐतिहासिक और दृढ़ निर्णय लिए हैं। उनके नेतृत्व में प्रदेश में अनेक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के बड़े आयोजन सफलतापूर्वक संपादित हुए हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री धामी ने अपने संबोधन में अपने बचपन के पगडंडियों और गाड़— गदेरों के अनुभवों को संक्षिप्त रूप में साझा किया गया। उन्होंने भावुक होकर अपनी माता जी के संघर्षों को याद करते हुए कहा कि एक सैनिक की पत्नी होने के नाते किस तरह से उन्होंने पहाड़ के जीवन को जिया। उन्होंने कहा कि मैनें जीवन में यह कभी नहीं सोचा था कि मैं कुछ बड़ा बनूंगा, लेकिन मेरे जीवन में ये जीवन्त ऊष्मा जरूर थी कि मैं समाज के लिए कुछ अच्छा करुंगा। उन्होंने पुस्तक की लेखिका संभावना पंत को धन्यवाद दिया।